भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 456 #

गुरूवार, 25 जुलाई, 2024/3 श्रावण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

झारखण्ड में मंदिरों का जीर्णोद्धार एवं अन्य पर्यटन स्थलों का विकास

456 # श्री आदित्य प्रसाद:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा झारखंड के देवघर में स्थित वैद्यनाथ धाम मंदिर, रजरप्पा मंदिर, पहाड़ी मंदिर (रांची), भद्रकाली मंदिर और जगन्नाथपुर मंदिर (रांची) के जीर्णोद्धार और अन्य पर्यटक स्थलों के विकास के लिए झारखंड सरकार को विगत तीन वर्षों के दौरान कितनी राशि आवंटित की गई है;

(ख) राज्य सरकार द्वारा आवंटित निधि में से वर्ष-वार/मंदिर-वार/स्थान-वार कितनी राशि का उपयोग किया गया है;

(ग) क्या राज्य सरकार आवंटित धनराशि खर्च नहीं कर पा रही है या कम खर्च कर रही है, यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या सरकार इन मंदिरों के जीर्णोद्धार से संबंधित व्यय के संबंध में झारखंड सरकार से कोई उपयोगिता प्रमाण पत्र मांगने का विचार रखती है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): पर्यटन मंत्रालय ने देश भर में पूर्व-चिन्हित धार्मिक और विरासत स्थलों पर अवसंरचना के विकास के उद्देश्य से वर्ष 2014-15 में प्रशाद (तीर्थयात्रा जीर्णोद्धार और आध्यात्मिक संवर्धन अभियान) योजना शुरू की थी। इस योजना के तहत, मंत्रालय इन स्थलों पर पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। मंत्रालय ने प्रसाद योजना के तहत 1621.14 करोड़ रुपये की लागत से 46 परियोजनाओं को मंजूरी दी है और प्रशाद योजना के तहत विकास के लिए 29 स्थलों की भी चिह्नित किया गया है।

"बाबा वैद्य नाथ धाम, देवघर, झारखंड का विकास" नामक एक परियोजना को 36.79 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी गई थी और इसके लिए 34.95 करोड़ रुपये जारी किए गए थे। परियोजना भौतिक रूप से पूरी हो गई है, और राज्य सरकार से 31.23 करोड़ रुपये का उपयोग प्रमाण पत्र (यूसी) प्राप्त हो गया है।

स्वदेश दर्शन योजना के तहत झारखंड में 30.44 करोड़ रुपये की लागत से इको-पर्यटन परिपथ का विकास: दलमा-बेतला राष्ट्रीय उद्यान-मिरचैया-नेतरहाट नामक एक अन्य परियोजना को मंजूरी दी गई थी। 28.04 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई और परियोजना भौतिक रूप से पूरी हो गई है।

इसके अलावा, स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत झारखंड में विकास के लिए चांडिल नामक एक गंतव्य को चिह्नित किया गया है, और स्वदेश दर्शन 2.0 की उप-योजना 'चैलेंज-बेस्ड डेस्टिनेशन डेवलपमेंट' के तहत रामरेखा बांध नामक एक गंतव्य को चिह्नित किया गया है।

****